# पुस्तकें श्रेष्ठ एवं जीवंत साथी: सच्चिदानंद जोशी

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह 14-20 नवंबर के अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन बुधवार प्रख्यात लेखक एवं नाटककार तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने किया।

उपस्थित पाठकों को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा कि समाज को हमेशा अच्छे साहित्य की जरूरत रहती है लेकिन केवल अच्छा साहित्य ही उपलब्ध नहीं होना चाहिए बल्कि उसका सस्ता होना भी जरूरी है तभी अधिक से अधिक पाठक पुस्तकें

खरीद सकेंगे।

उन्होंने साहित्य अकादेमी को अच्छे और कम कीमत का साहित्य प्रकाशित करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमें एक बार पुनः पढ़ने और खरीद कर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा तथा मुद्रित पुस्तकों के पन्नों को स्पर्श और उसकी गंध को पुनः अपने जीवन में महसूस करना होगा। पुस्तकों से श्रेष्ठ और जीवंत साथी कोई और नहीं हो सकता। उन्होंने उपस्थित पाठकों से अधिक से अधिक पुस्तकें खरीदने की अपील भी की।

इस अवसर पर साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि अकादेमी प्रतिवर्ष 500 से 550 पुस्तकें प्रकाशित करती है और हमारा उद्देश्य होता है कि यह सब उचित दामों पर पूरे देश के पाठकों के लिए उपलब्ध हों। इसके लिए अकादेमी जहां विभिन्न पुस्तक मेलों में भाग लेती है, वहीं स्वयं भी प्रदर्शनियों का आयोजन करती है।

# दर्जेदार साहित्य रास्त दरात मिळावे : जोशी

## साहित्य अकादमीचे पुस्तक प्रदर्शन सुरू

**नवी दिल्ली, ता. १९** : दर्जेदार साहित्य केवळ उपलब्ध न राहता ते रास्त व स्वस्त दरातही वाचकांना मिळाले पाहिजे, असे प्रतिपादन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्राचे प्रमुख सच्चिदानंद जोशी यांनी सांगितले.

साहित्य अकादमीतर्फे सुरू झालेल्या पुस्तक प्रदर्शनाचे उद्घाटन जोशी यांच्या हस्ते झाले. त्यावेळी ते पुढे म्हणाले की, समाजाला चांगल्या पुस्तकांची गरज नेहमीच असते. मात्र पुस्तके स्वस्त दरात उपलब्ध झाली तर जास्तीत जास्त वाचकांपर्यंत ती पोचतील. आम्ही वाचन संस्कृतीला पुन्हा बळ देण्याची गरज निर्माण झाली आहे. पुस्तकांइतका माणसाचा जीवंत व श्रेष्ठ मित्र दुसरा होऊ शकत नाही. त्यामुळे पुस्तके घेऊन वाचनाची आवड नव्या पिढीत निर्माण करावी लागेल.

कोरोना काळात आवश्यक ती खबरदारी घेऊन यंदाचे आठवडाभराचे प्रदर्शन आयोजीत केल्याचे अकादमीचे सचिव के. श्रीनिवास राव यांनी सांगितले. ते म्हणाले की, साहित्य अकादमीतर्फे इंग्रजीसह २४ भारतीय भाषांमध्ये दरवर्षी सुमारे ५५० पुस्तके प्रकाशित केली जातात. ही सारी पुस्तके रास्त दरात उपलब्ध करून देण्याचा अकादमीचा सतत प्रयत्न असतो. या प्रदर्शनात नव्या पुस्तकांबरोबरच मान्यवर लेखकांची व अकादमी पुरस्कार विजेत्या साहित्यिकांची ग्रंथसंपदा विक्रीसाठी उपलब्ध असेल.

नवी दिल्ली : साहित्य अकादमीच्या पुस्तक प्रदर्शनाचे उद्घाटन करताना सच्चिदानंद जोशी. (डावीकडे) के. श्रीनिवास राव.

गई थी।

अर्घ्य देने जाया जाता है। इस बार कोरोना छठ पूजा के

# अच्छे के साथ सस्ता भी होना चाहिए साहित्य : सच्चिदानंद जोशी

साहित्य अकादमी की पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते सच्चिदानंद जोशी● सौजन्य- अकादमी

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह (14-20 नवंबर) के अवसर पर साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में उद्घाटन हुआ। लेखक, नाटककार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने इसका शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मौजूद पाठकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज को हमेशा अच्छे साहित्य की जरूरत रहती है, लेकिन केवल अच्छा साहित्य ही उपलब्ध नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका सस्ता होना भी जरूरी है। तभी अधिक से अधिक पाठक साहित्य वाली पुस्तकें खरीद सकेंगे। उन्होंने साहित्य अकादमी को अच्छे और कम कीमत का साहित्य प्रकाशित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खरीद कर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा और मुद्रित पुस्तकों के पेज को स्पर्श और उसकी गंध को जीवन में महसूस करना होगा। इस दौरान साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने कहा कि अकादमी हर साल 500 से 550 पुस्तकें प्रकाशित करती है। हमारा उद्देश्य होता है कि यह सब उचित दामों पर पूरे देश के पाठकों के लिए उपलब्ध हो। इसके लिए अकादमी विभिन्न पुस्तक मेलों में भाग लेती है और खुद भी प्रदर्शनियों का आयोजन करती है।

# पुस्तकों से श्रेष्ठ एवं जीवंत साथी और कोई नहीं: जोशी

## साहित्य अकादमी में पुस्तक प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (नवोदय टाइम्स): 14 से 20 नवम्बर तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के उपलक्ष्य में साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित की गई पुस्तक प्रदर्शनी का बुधवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव, लेखक-नाटककार सच्चिदानंद जोशी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज को हमेशा

अच्छे साहित्य की जरूरत रहती है, लेकिन केवल अच्छा साहित्य ही उपलब्ध नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका सस्ता होना भी जरूरी है, तभी अधिक से अधिक पाठक पुस्तकें खरीद सकेंगे। उन्होंने साहित्य अकादमी को अच्छे और कम कीमत का साहित्य प्रकाशित करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमें एक बार पुन: पढ़ने और खरीद कर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा तथा मुद्रित पुस्तकों के पन्नों को स्पर्श और उसकी गंध को पुन: अपने जीवन में महसूस करना होगा। पुस्तकों से श्रेष्ठ और जीवंत साथी कोई और नहीं हो सकता। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि इस प्रदर्शनी में पुस्तकें 20 प्रतिशत की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं एवं कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध रहेगी।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह ( 14-20 नवंबर ) के अवसर पर साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते लेखक एवं नाटककार सच्चिदानंद जोशी।

# समाज को हमेशा अच्छे साहित्य की जरूरत: जोशी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह ( 14-20 नवंबर) के अवसर पर साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन आज प्रख्यात लेखक एवं नाटककार तथा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने किया। उपस्थित पाठकों को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा कि समाज को हमेशा अच्छे साहित्य की जरूरत रहती है लेकिन केवल अच्छा साहित्य ही उपलब्ध नहीं होना चाहिए बल्कि उसका सस्ता होना भी जरूरी है तभी अधिक से अधिक पाठक पुस्तकें खरीद सकेंगे। उन्होंने साहित्य अकादमी को अच्छे और कम कीमत का साहित्य प्रकाशित करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमें एक बार पुन: पढ़ने और खरीद कर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा तथा मुद्रित पुस्तकों के पन्नों को स्पर्श और उसकी गंध को पुन: अपने जीवन में महसूस करना होगा। पुस्तकों से श्रेष्ठ और जीवंत साथी कोई और नहीं हो सकता। उन्होंने उपस्थित पाठकों से अधिक से अधिक पुस्तकें खरीदने की अपील भी की। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि अकादमी प्रतिवर्ष 500 से 550 पुस्तकें प्रकाशित करती है और हमारा उद्देश्य होता है कि यह सब उचित दामों पर पूरे देश के पाठकों के लिए उपलब्ध हों।